ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
राजमोहिनी देवी कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र,
अम्बिकापुर, जिला–सरगुजा (छ०ग०)
इंदिरा गाँधी कृषि विश्वविद्यालय

संख्या–१०

दिनांक–०७ नवम्बर २०१७

इमेल: aas_ambikapur@yahoo.co.in

टेलीफोन एवं फ़ेक्स– ०७७७४–२३२९८६

विगत सप्ताह का मौसम (०१ से ०७ नवम्बर २०१७)

अजिरमा, अंबिकापुर स्थित कृषि मौसम वेधशाला में दर्ज आंकड़ो के अनुसार विगत सात दिनो के दौरान आसमान साफ रहा तथा सूर्य की तीव्र रोशनी की अवधि ८.८ से ९.७ घंटे के बीच दर्ज की गई । इस दौरान औसतन अधिकतम व न्यूनतम तापमान क्रमशः **२८.२** डि.से. (सामान्य) तथा **१३.९** डि.से. (सामान्य) दर्ज किया गया है । इस दौरान हवा की औसत गति व वाष्पीकरण दर क्रमशः १.५ कि.मी. प्रति घंटा व ३.३ मि.मी. प्रति दिन थी । प्रातः कालीन औसत आर्द्रता व मृदा का तापमान (५, १० व २० से.मी. पर) क्रमशः **८४%** व १९.२, २१.१ व २१.८ डि॰से॰ दर्ज की गई जबकि यह दोपहर में क्रमशः **४६%** व ४०.०, ३१.२ व २८.४ डि॰से॰ दर्ज की गई ।

दिनांक	अधिकतम तापमान (°C)	न्युनतम तापमान (°C)	वर्षा (मि0मी0)	सापेक्ष आर्दता (%)		हवा की गति (कि.मी. प्रति घंटा)	सूर्य प्रकाश अवधि (hr)	वाष्पन (मि0मी0)
				सुबह	दोपहर			
०१ नवम्बर २०१७	28.5	13.8	0.0	86	46	1.5	8.8	3.2
०२ नवम्बर २०१७	28.0	13.4	0.0	86	40	1.4	9.1	3.0
०३ नवम्बर २०१७	27.8	13.0	0.0	88	45	1.5	9.1	3.3
०४ नवम्बर २०१७	27.2	13.8	0.0	83	51	1.6	9.0	3.4
०५ नवम्बर २०१७	27.4	13.7	0.0	74	47	1.9	9.7	3.4
०६ नवम्बर २०१७	28.7	15.1	0.0	83	47	1.2	9.0	3.1
०७ नवम्बर २०१७	29.6	14.8	0.0	88	45	1.1	9.2	3.5
औसत	**28.2**	**13.9**		**84**	**46**	**1.5**	**9.1**	**3.3**
कुल			**0.0**					**22.9**

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

(जिला– सरगुजा **के लिये**)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग, रायपुर द्वारा जारी

०८ से १२ नवम्बर २०१७ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसार –

1. अगले पांच दिनों में छत्तीसगढ़ के उत्तरीय पहाड़ी क्षेत्रों में आसमान साफ रहने तथा **आमतौर पर मौसम शुष्क रहने का अनुमान हैं ।**
2. सरगुजा जिले मे अधिकतम तापमान लगभग **२७ से २८°C** रहने की संभावना है एवं न्यूनतम तापमान **१२ से १५°C** के बीच रह सकता है।
3. सुबह हवा में **७०-९०** प्रतिशत तथा दोपहर में **३०-४५** प्रतिशत नमी रहने की संभावना है ।
4. आने वाले दिनो में हवा मुख्यत: उत्तर-पूर्व एवं उत्तर दिशा से चलने की संभावना है, तथा इसकी गति लगभग **२-४** किलो मीटर प्रति घंटा रहने कि संभावना है।

किसानों के लिये समसामयिक सुझाव

- मौसम पूर्वानुमान की अवधि मे मौसम शुष्क रहने की संभावना को देखते हुये किसान भाइयों को सुझाव है की, वे जो धान की फसल पककर तैयार हो गई है, तो उसकी कटाई कर खेतों मे १-२ दिनों तक सूखने दे ।

- खेत खाली होने पर रबी फसल की बुआई हेतु खेत तैयार करे, एंव चना, कुसुम, अलसी एंव मसूर की समय पर बुवाई करें ।
- धान कटाई के उपरान्त संचित नमी के उपयोग हेतु जीरो सीड ड्रिल दवारा फसलों की बुआई करे ।
- खेतो मे पड़े खरीफ़ फसलों के अवशेषो तथा मेड़ों पर उगे खरपतवारो आदि को जलाकर नष्ट कर दे, जिससे रबी फसलों मे रोगों तथा कीड़ो के लगने की संभावना कम रहती है ।
- दलहनी फसलों के बीजों को उपचारित करके ही बुआई करे ।
- चने के जिन खेतो में उकठा एंव कॉलर राट बीमारी का प्रकोप प्रति वर्ष होता हैं, वंहा चने के स्थान पर गेंहू, **तिवडा कुसुम एवं अलसी** की बुवाई करें अर्थात फसल चक्र अपनाये ।
- जो किसान भाई सरसों की खेती करना चाहते है, वे खेत की तैयारी कर बोआई करे । सरसों की अनुसंसित किस्म शिवानी, वरुण, पूसा बोल्ड, बी. आर-४० इत्यादि में से किसी एक किस्म की चयन करे । एक एकड़ में बुआई के लिये ३ किलोग्राम बीज की आवश्यकता होती है तथा बीज को ३० सेंटीमीटर (कतार से कतार) तथा १० से.मी. पौधे से पौधे की दुरी पर बोआई करे
- गेहू के बीजों को कार्बाक्सिन+थिरम (२ ग्रा॰ प्रति किलो बीज) की दर से उपचारित कर ही बोये
- चना, मटर, मसुर, सरसों आदि फसलों मे खरपतवार नियंत्रण हेतु बुआई के ३ दिन के अंदर पेंडामेथिलीन ३० ई॰ सी॰ दवा ७५० मि॰ली॰ से १ लीटर सक्रिय तत्व (दवा की मात्रा २.५-३.० लीटर प्रति हेक्टेयर) की दर से छिड़काव करे ।
- तिवडा की उन्नत प्रजातियों जैसे- प्रतीक, रतन, महातिवडा का बुवाई हेतु चयन करें ।
- किसान भाई शीतकालीन मौसमी पुष्पों मे निदाई, गुड़ाई, सिंचाई एवं पोषण प्रबन्धन करे ।
- फलदार वृक्षों के तने पर बोर्डो पेस्ट लगाये, इसे तैयार करने हेतु १:१:१० के अनुपात में चूना, नीलाथोथा एंव पानी मिलाएं । फल उद्यान में साफ सफाई करे एवं वृक्षों के चारो तरफ थाला बनाकर खाद एवं उर्वरक की निर्धारित मात्रा मिलाये ।
- शीतकालीन गोभीवर्गीय सब्जियों जैसे फूलगोभी, पत्तागोभी व गाठगोभी की अगेती किस्मों का चयन कर नर्सरी डालें, टमाटर, भटा, मिर्च एवं शिमला मिर्च लगाने की तैयारी करें व थायरम १ ग्राम प्रति किलों बीज की दर से उपचारित करें ।
- किसान भाइयों के पास यदि सिंचाई की व्यवस्था हो तो अभी वे अगेती आलू और हरी मटर की बुआई कर सकते है ।
- किसान भाई अभी चारे वाली फसले बरसीम, लुसर्न एवं जई की बुवाई करें ।
- दुधारू पशुओ को हरे चारे के साथ-साथ सूखे चारा भी मिलाकर संतुलित मात्रा मे खिलावे ।
- किसान भाइयों को सुझाव है कि दुधारू पशुओ को ठंड से बचाने के लिए सुरछित स्थानों पर रखे ।
- पशुओ को रात में खुले स्थान में नही रखे, उनके खाने में एक चम्मच नमक का मिश्रण अवश्य दे ।

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
राजमोहिनी देवी कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र,
अम्बिकापुर, जिला–सरगुजा (छ०ग०)
इंदिरा गाँधी कृषि विश्वविद्यालय

संख्या–१०

दिनांक–०७ नवम्बर २०१७

इमेल: aas_ambikapur@yahoo.co.in

टेलीफोन एवं फ़ैक्स– ०७७७४–२३२९८६

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

(जिला– **बलरामपुर के लिये**)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग, रायपुर द्वारा जारी

०८ से १२ नवम्बर २०१७ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसार –

1. अगले पांच दिनों में छत्तीसगढ़ के उत्तरीय पहाड़ी क्षेत्रों में आसमान साफ रहने तथा **आमतौर पर मौसम शुष्क रहने का अनुमान हैं ।**
2. बलरामपुर जिले मे अधिकतम तापमान लगभग **२७ से २८°C** रहने की संभावना है एवं न्यूनतम तापमान **१२ से १५°C** के बीच रह सकता है।
3. सुबह हवा में **७०-९०** प्रतिशत तथा दोपहर में **३०-४५** प्रतिशत नमी रहने की संभावना है ।
4. आने वाले दिनो में हवा मुख्यत: उत्तर-पूर्व एवं उत्तर दिशा से चलने की संभावना है, तथा इसकी गति लगभग **२-४** किलो मीटर प्रति घंटा रहने कि संभावना है।

किसानों के लिये समसामयिक सुझाव

- मौसम पूर्वानुमान की अवधि मे मौसम शुष्क रहने की संभावना को देखते हुये किसान भाइयों को सुझाव है की, वे जो धान की फसल पककर तैयार हो गई है, तो उसकी कटाई कर खेतों मे १-२ दिनों तक सूखने दे ।
- खेत खाली होने पर रबी फसल की बुआई हेतु खेत तैयार करे, एंव चना, कुसुम, अलसी एंव मसूर की समय पर बुवाई करें ।
- धान कटाई के उपरान्त संचित नमी के उपयोग हेतु जीरो सीड ड्रिल दवारा फसलों की बुआई करे ।
- खेतो मे पड़े खरीफ़ फसलों के अवशेषो तथा मेड़ों पर उगे खरपतवारो आदि को जलाकर नष्ट कर दे, जिससे रबी फसलों मे रोगों तथा कीड़ो के लगने की संभावना कम रहती है ।
- दलहनी फसलों के बीजों को उपचारित करके ही बुआई करे ।
- चने के जिन खेतो में उकठा एंव कॉलर राट बीमारी का प्रकोप प्रति वर्ष होता हैं, वंहा चने के स्थान पर गेंहू, **तिवडा कुसुम एवं अलसी** की बुवाई करें अर्थात फसल चक्र अपनाये ।
- जो किसान भाई सरसों की खेती करना चाहते है, वे खेत की तैयारी कर बोआई करे । सरसों की अनुसंसित किस्म शिवानी, वरुण, पूसा बोल्ड, बी. आर-४० इत्यादि में से किसी एक किस्म की चयन करे । एक एकड़ में बुआई के लिये ३ किलोग्राम बीज की आवश्यकता होती है तथा बीज को ३० सेंटीमीटर (कतार से कतार) तथा १० से.मी. पौधे से पौधे की दुरी पर बोआई करे
- गेहू के बीजों को कार्बाक्सिन+थिरम (२ ग्रा॰ प्रति किलो बीज) की दर से उपचारित कर ही बोये
- चना, मटर, मसुर, सरसों आदि फसलों मे खरपतवार नियंत्रण हेतु बुआई के ३ दिन के अंदर पेंडामेथिलीन ३० ई॰ सी॰ दवा ७५० मि॰ली॰ से १ लीटर सक्रिय तत्व (दवा की मात्रा २.५-३.० लीटर प्रति हेक्टेयर) की दर से छिड़काव करे ।
- तिवडा की उन्नत प्रजातियों जैसे- प्रतीक, रतन, महातिवडा का बुवाई हेतु चयन करें ।

- किसान भाई शीतकालीन मौसमी पुष्पों मे निदाई, गुड़ाई, सिंचाई एवं पोषण प्रबन्धन करे ।
- फलदार वृक्षों के तने पर बोर्डो पेस्ट लगाये, इसे तैयार करने हेतु १:१:१० के अनुपात में चूना, नीलाथोथा एंव पानी मिलाएं । फल उद्यान में साफ सफाई करे एवं वृक्षों के चारो तरफ थाला बनाकर खाद एवं उर्वरक की निर्धारित मात्रा मिलाये ।
- शीतकालीन गोभीवर्गीय सब्जियों जैसे फूलगोभी, पत्तागोभी व गाठगोभी की अगेती किस्मों का चयन कर नर्सरी डालें, टमाटर, भटा, मिर्च एवं शिमला मिर्च लगाने की तैयारी करें व थायरम १ ग्राम प्रति किलों बीज की दर से उपचारित करें ।
- किसान भाइयों के पास यदि सिंचाई की व्यवस्था हो तो अभी वे अगेती आलू और हरी मटर की बुआई कर सकते है ।
- किसान भाई अभी चारे वाली फसले बरसीम, लुसर्न एवं जई की बुवाई करें ।
- दुधारू पशुओ को हरे चारे के साथ-साथ सूखे चारा भी मिलाकर संतुलित मात्रा मे खिलावे ।
- किसान भाइयों को सुझाव है कि दुधारू पशुओ को ठंड से बचाने के लिए सुरछित स्थानों पर रखे ।
- पशुओ को रात में खुले स्थान में नही रखे, उनके खाने में एक चम्मच नमक का मिश्रण अवश्य दे ।

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
राजमोहिनी देवी कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र,
अम्बिकापुर, जिला–सरगुजा (छ०ग०)
इंदिरा गाँधी कृषि विश्वविद्यालय

संख्या–१०

दिनांक–०७ नवम्बर २०१७

इमेल: aas_ambikapur@yahoo.co.in

टेलीफोन एवं फ़ैक्स– ०७७७४–२३२९८६

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

(जिला–**जशपुर के लिये**)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग, रायपुर द्वारा जारी **०८ से १२ नवम्बर २०१७ तक के** मौसम पूर्वानुमान के अनुसार –

1. अगले पांच दिनों में छत्तीसगढ़ के उत्तरीय पहाड़ी क्षेत्रों में आसमान साफ रहने तथा **आमतौर पर मौसम शुष्क रहने का अनुमान हैं ।**
2. जशपुर जिले मे अधिकतम तापमान लगभग **२७ से २८°C** रहने की संभावना है एवं न्यूनतम तापमान **१२ से १५°C** के बीच रह सकता है।
3. सुबह हवा में **७०-९०** प्रतिशत तथा दोपहर में **३०-४५** प्रतिशत नमी रहने की संभावना है ।
4. आने वाले दिनो में हवा मुख्यत: उत्तर-पूर्व एवं उत्तर दिशा से चलने की संभावना है, तथा इसकी गति लगभग **२-४** किलो मीटर प्रति घंटा रहने कि संभावना है।

किसानों के लिये समसामयिक सुझाव

- मौसम पूर्वानुमान की अवधि मे मौसम शुष्क रहने की संभावना को देखते हुये किसान भाइयों को सुझाव है की, वे जो धान की फसल पककर तैयार हो गई है, तो उसकी कटाई कर खेतों मे १-२ दिनों तक सूखने दे ।
- खेत खाली होने पर रबी फसल की बुआई हेतु खेत तैयार करे, एंव चना, कुसुम, अलसी एंव मसूर की समय पर बुवाई करें ।
- धान कटाई के उपरान्त संचित नमी के उपयोग हेतु जीरो सीड ड्रिल दवारा फसलों की बुआई करे ।
- खेतो मे पड़े खरीफ़ फसलों के अवशेषो तथा मेड़ों पर उगे खरपतवारो आदि को जलाकर नष्ट कर दे, जिससे रबी फसलों मे रोगों तथा कीड़ो के लगने की संभावना कम रहती है ।
- दलहनी फसलों के बीजों को उपचारित करके ही बुआई करे ।
- चने के जिन खेतो में उकठा एंव कॉलर राट बीमारी का प्रकोप प्रति वर्ष होता हैं, वंहा चने के स्थान पर गेंहू, **तिवडा कुसुम एवं अलसी** की बुवाई करें अर्थात फसल चक्र अपनाये ।
- जो किसान भाई सरसों की खेती करना चाहते है, वे खेत की तैयारी कर बोआई करे । सरसों की अनुसंसित किस्म शिवानी, वरुण, पूसा बोल्ड, बी. आर-४० इत्यादि में से किसी एक किस्म की चयन करे । एक एकड़ में बुआई के लिये ३ किलोग्राम बीज की आवश्यकता होती है तथा बीज को ३० सेंटीमीटर (कतार से कतार) तथा १० से.मी. पौधे से पौधे की दुरी पर बोआई करे
- गेहू के बीजों को कार्बाक्सिन+थिरम (२ ग्रा॰ प्रति किलो बीज) की दर से उपचारित कर ही बोये
- चना, मटर, मसुर, सरसों आदि फसलों मे खरपतवार नियंत्रण हेतु बुआई के ३ दिन के अंदर पेंडामेथिलीन ३० ई॰ सी॰ दवा ७५० मि॰ली॰ से १ लीटर सक्रिय तत्व (दवा की मात्रा २.५-३.० लीटर प्रति हेक्टेयर) की दर से छिड़काव करे ।
- तिवडा की उन्नत प्रजातियों जैसे- प्रतीक, रतन, महातिवडा का बुवाई हेतु चयन करें ।

- किसान भाई शीतकालीन मौसमी पुष्पों मे निदाई, गुड़ाई, सिंचाई एवं पोषण प्रबन्धन करे ।
- फलदार वृक्षों के तने पर बोर्डो पेस्ट लगाये, इसे तैयार करने हेतु १:१:१० के अनुपात में चूना, नीलाथोथा एंव पानी मिलाएं । फल उद्यान में साफ सफाई करे एवं वृक्षों के चारो तरफ थाला बनाकर खाद एवं उर्वरक की निर्धारित मात्रा मिलाये ।
- शीतकालीन गोभीवर्गीय सब्जियों जैसे फूलगोभी, पत्तागोभी व गाठगोभी की अगेती किस्मों का चयन कर नर्सरी डालें, टमाटर, भटा, मिर्च एवं शिमला मिर्च लगाने की तैयारी करें व थायरम १ ग्राम प्रति किलों बीज की दर से उपचारित करें ।
- किसान भाइयों के पास यदि सिंचाई की व्यवस्था हो तो अभी वे अगेती आलू और हरी मटर की बुआई कर सकते है ।
- किसान भाई अभी चारे वाली फसले बरसीम, लुसर्न एवं जई की बुवाई करें ।
- दुधारू पशुओ को हरे चारे के साथ-साथ सूखे चारा भी मिलाकर संतुलित मात्रा मे खिलावे ।
- किसान भाइयों को सुझाव है कि दुधारू पशुओ को ठंड से बचाने के लिए सुरछित स्थानों पर रखे ।
- पशुओ को रात में खुले स्थान में नही रखे, उनके खाने में एक चम्मच नमक का मिश्रण अवश्य दे ।

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
राजमोहिनी देवी कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र,
अम्बिकापुर, जिला–सरगुजा (छ०ग०)
इंदिरा गाँधी कृषि विश्वविद्यालय

संख्या–१०

दिनांक–०७ नवम्बर २०१७

इमेल: aas_ambikapur@yahoo.co.in

टेलीफोन एवं फ़ैक्स– ०७७७४–२३२९८६

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

(जिला– **कोरिया के लिये**)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग, रायपुर द्वारा जारी **०८ से १२ नवम्बर २०१७ तक के** मौसम पूर्वानुमान के अनुसार –

1. अगले पांच दिनों में छत्तीसगढ़ के उत्तरीय पहाड़ी क्षेत्रों में आसमान साफ रहने तथा **आमतौर पर मौसम शुष्क रहने का अनुमान हैं ।**
2. कोरिया जिले मे अधिकतम तापमान लगभग **२७ से २८°C** रहने की संभावना है एवं न्यूनतम तापमान **१२ से १५°C** के बीच रह सकता है।
3. सुबह हवा में **७०-९०** प्रतिशत तथा दोपहर में **३०-४५** प्रतिशत नमी रहने की संभावना है ।
4. आने वाले दिनो में हवा मुख्यत: उत्तर-पूर्व एवं उत्तर दिशा से चलने की संभावना है, तथा इसकी गति लगभग **२-४** किलो मीटर प्रति घंटा रहने कि संभावना है।

किसानों के लिये समसामयिक सुझाव

- मौसम पूर्वानुमान की अवधि मे मौसम शुष्क रहने की संभावना को देखते हुये किसान भाइयों को सुझाव है की, वे जो धान की फसल पककर तैयार हो गई है, तो उसकी कटाई कर खेतों मे १-२ दिनों तक सूखने दे ।
- खेत खाली होने पर रबी फसल की बुआई हेतु खेत तैयार करे, एंव चना, कुसुम, अलसी एंव मसूर की समय पर बुवाई करें ।
- धान कटाई के उपरान्त संचित नमी के उपयोग हेतु जीरो सीड ड्रिल दवारा फसलों की बुआई करे ।
- खेतो मे पड़े खरीफ़ फसलों के अवशेषो तथा मेड़ों पर उगे खरपतवारो आदि को जलाकर नष्ट कर दे, जिससे रबी फसलों मे रोगों तथा कीड़ो के लगने की संभावना कम रहती है ।
- दलहनी फसलों के बीजों को उपचारित करके ही बुआई करे ।
- चने के जिन खेतो में उकठा एंव कॉलर राट बीमारी का प्रकोप प्रति वर्ष होता हैं, वंहा चने के स्थान पर गेंहू, **तिवडा कुसुम एवं अलसी** की बुवाई करें अर्थात फसल चक्र अपनाये ।
- जो किसान भाई सरसों की खेती करना चाहते है, वे खेत की तैयारी कर बोआई करे । सरसों की अनुसंसित किस्म शिवानी, वरुण, पूसा बोल्ड, बी. आर-४० इत्यादि में से किसी एक किस्म की चयन करे । एक एकड़ में बुआई के लिये ३ किलोग्राम बीज की आवश्यकता होती है तथा बीज को ३० सेंटीमीटर (कतार से कतार) तथा १० से.मी. पौधे से पौधे की दुरी पर बोआई करे
- गेहू के बीजों को कार्बाक्सिन+थिरम (२ ग्रा॰ प्रति किलो बीज) की दर से उपचारित कर ही बोये
- चना, मटर, मसुर, सरसों आदि फसलों मे खरपतवार नियंत्रण हेतु बुआई के ३ दिन के अंदर पेंडामेथिलीन ३० ई॰ सी॰ दवा ७५० मि॰ली॰ से १ लीटर सक्रिय तत्व (दवा की मात्रा २.५-३.० लीटर प्रति हेक्टेयर) की दर से छिड़काव करे ।
- तिवडा की उन्नत प्रजातियों जैसे- प्रतीक, रतन, महातिवडा का बुवाई हेतु चयन करें ।

- किसान भाई शीतकालीन मौसमी पुष्पों मे निदाई, गुड़ाई, सिंचाई एवं पोषण प्रबन्धन करे ।
- फलदार वृक्षों के तने पर बोर्डो पेस्ट लगाये, इसे तैयार करने हेतु १:१:१० के अनुपात में चूना, नीलाथोथा एंव पानी मिलाएं । फल उद्यान में साफ सफाई करे एवं वृक्षों के चारो तरफ थाला बनाकर खाद एवं उर्वरक की निर्धारित मात्रा मिलाये ।
- शीतकालीन गोभीवर्गीय सब्जियों जैसे फूलगोभी, पत्तागोभी व गाठगोभी की अगेती किस्मों का चयन कर नर्सरी डालें, टमाटर, भटा, मिर्च एवं शिमला मिर्च लगाने की तैयारी करें व थायरम १ ग्राम प्रति किलों बीज की दर से उपचारित करें ।
- किसान भाइयों के पास यदि सिंचाई की व्यवस्था हो तो अभी वे अगेती आलू और हरी मटर की बुआई कर सकते है ।
- किसान भाई अभी चारे वाली फसले बरसीम, लुसर्न एवं जई की बुवाई करें ।
- दुधारू पशुओ को हरे चारे के साथ-साथ सूखे चारा भी मिलाकर संतुलित मात्रा मे खिलावे ।
- किसान भाइयों को सुझाव है कि दुधारू पशुओ को ठंड से बचाने के लिए सुरछित स्थानों पर रखे ।
- पशुओ को रात में खुले स्थान में नही रखे, उनके खाने में एक चम्मच नमक का मिश्रण अवश्य दे ।

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
राजमोहिनी देवी कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र,
अम्बिकापुर, जिला–सरगुजा (छ०ग०)
इंदिरा गाँधी कृषि विश्वविद्यालय

संख्या–१०

दिनांक–०७ नवम्बर २०१७

इमेल: aas_ambikapur@yahoo.co.in

टेलीफोन एवं फ़ैक्स– ०७७७४–२३२९८६

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

(जिला– सूरजपुर के लिये)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग, रायपुर द्वारा जारी **०८ से १२ नवम्बर २०१७ तक के** मौसम पूर्वानुमान के अनुसार –

1. अगले पांच दिनों में छत्तीसगढ़ के उत्तरीय पहाड़ी क्षेत्रों में आसमान साफ रहने तथा **आमतौर पर मौसम शुष्क रहने का अनुमान हैं ।**
2. सूरजपुर जिले मे अधिकतम तापमान लगभग **२७ से २८°C** रहने की संभावना है एवं न्यूनतम तापमान **१२ से १५°C** के बीच रह सकता है।
3. सुबह हवा में **७०-९०** प्रतिशत तथा दोपहर में **३०-४५** प्रतिशत नमी रहने की संभावना है ।
4. आने वाले दिनो में हवा मुख्यत: उत्तर-पूर्व एवं उत्तर दिशा से चलने की संभावना है, तथा इसकी गति लगभग **२-४** किलो मीटर प्रति घंटा रहने कि संभावना है।

किसानों के लिये समसामयिक सुझाव

- मौसम पूर्वानुमान की अवधि मे मौसम शुष्क रहने की संभावना को देखते हुये किसान भाइयों को सुझाव है की, वे जो धान की फसल पककर तैयार हो गई है, तो उसकी कटाई कर खेतों मे १-२ दिनों तक सूखने दे ।
- खेत खाली होने पर रबी फसल की बुआई हेतु खेत तैयार करे, एंव चना, कुसुम, अलसी एंव मसूर की समय पर बुवाई करें ।
- धान कटाई के उपरान्त संचित नमी के उपयोग हेतु जीरो सीड ड्रिल दवारा फसलों की बुआई करे ।
- खेतो मे पड़े खरीफ़ फसलों के अवशेषो तथा मेड़ों पर उगे खरपतवारो आदि को जलाकर नष्ट कर दे, जिससे रबी फसलों मे रोगों तथा कीड़ो के लगने की संभावना कम रहती है ।
- दलहनी फसलों के बीजों को उपचारित करके ही बुआई करे ।
- चने के जिन खेतो में उकठा एंव कॉलर राट बीमारी का प्रकोप प्रति वर्ष होता हैं, वंहा चने के स्थान पर गेंहू, **तिवडा कुसुम एवं अलसी** की बुवाई करें अर्थात फसल चक्र अपनाये ।
- जो किसान भाई सरसों की खेती करना चाहते है, वे खेत की तैयारी कर बोआई करे । सरसों की अनुसंसित किस्म शिवानी, वरुण, पूसा बोल्ड, बी. आर-४० इत्यादि में से किसी एक किस्म की चयन करे । एक एकड़ में बुआई के लिये ३ किलोग्राम बीज की आवश्यकता होती है तथा बीज को ३० सेंटीमीटर (कतार से कतार) तथा १० से.मी. पौधे से पौधे की दुरी पर बोआई करे
- गेहू के बीजों को कार्बाक्सिन+थिरम (२ ग्रा॰ प्रति किलो बीज) की दर से उपचारित कर ही बोये
- चना, मटर, मसुर, सरसों आदि फसलों मे खरपतवार नियंत्रण हेतु बुआई के ३ दिन के अंदर पेंडामेथिलीन ३० ई॰ सी॰ दवा ७५० मि॰ली॰ से १ लीटर सक्रिय तत्व (दवा की मात्रा २.५-३.० लीटर प्रति हेक्टेयर) की दर से छिड़काव करे ।
- तिवडा की उन्नत प्रजातियों जैसे- प्रतीक, रतन, महातिवडा का बुवाई हेतु चयन करें ।

- किसान भाई शीतकालीन मौसमी पुष्पों मे निदाई, गुड़ाई, सिंचाई एवं पोषण प्रबन्धन करे ।
- फलदार वृक्षों के तने पर बोर्डो पेस्ट लगाये, इसे तैयार करने हेतु १:१:१० के अनुपात में चूना, नीलाथोथा एंव पानी मिलाएं । फल उद्यान में साफ सफाई करे एवं वृक्षों के चारो तरफ थाला बनाकर खाद एवं उर्वरक की निर्धारित मात्रा मिलाये ।
- शीतकालीन गोभीवर्गीय सब्जियों जैसे फूलगोभी, पत्तागोभी व गाठगोभी की अगेती किस्मों का चयन कर नर्सरी डालें, टमाटर, भटा, मिर्च एवं शिमला मिर्च लगाने की तैयारी करें व थायरम १ ग्राम प्रति किलों बीज की दर से उपचारित करें ।
- किसान भाइयों के पास यदि सिंचाई की व्यवस्था हो तो अभी वे अगेती आलू और हरी मटर की बुआई कर सकते है ।
- किसान भाई अभी चारे वाली फसले बरसीम, लुसर्न एवं जई की बुवाई करें ।
- दुधारू पशुओ को हरे चारे के साथ-साथ सूखे चारा भी मिलाकर संतुलित मात्रा मे खिलावे ।
- किसान भाइयों को सुझाव है कि दुधारू पशुओ को ठंड से बचाने के लिए सुरछित स्थानों पर रखे ।
- पशुओ को रात में खुले स्थान में नही रखे, उनके खाने में एक चम्मच नमक का मिश्रण अवश्य दे ।

नोडल अधिकारी
ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
कृषि मौसम विज्ञान विभाग